190 डिप्टी कलेक्टरों को मिली पदोन्नति की सौगात

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 7 जुलाई. लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे 190 तहसीलदारों, अधीक्षक भू अभिलेख और प्रभारी डिप्टी कलेक्टर को आखिरकार पदोन्नति की सौगात मिल गई है. उन्हें अब राज्य प्रशासनिक सेवा के कनिष्ठ श्रेणी वेतनमान में पदोन्नत किया गया है.

यानी ये सभी अब डिप्टी कलेक्टर कहे जाएंगे. अब प्रभारी का टैग उनके पदनाम से हट जाएगा. ये टैग का बोझ वे पिछले

10 वर्ष से ढो रहे थे. मप्र लोक सेवा आयोग ने विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नति के लिए इन अधिकारियों की अनुशंसा की थी, एमपीपीएससी से संबंधित दावेदारों की सूची मिलने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने बिना देरी किए आदेश जारी कर दिए. यहां बता दें कि सामान्य प्रशासन विभाग ने पिछले सप्ताह ही इस संबंध में आदेश जारी किए थे, कि विभाग अपने स्तर पर विभागों में तबादले कर सकते हैं, ये तबादले कोर्ट के आदेश के अधीन होंगे, उसके बाद सबसे पहले विधानसभा सचिवालय ने अपने अधिकारियों- कर्मचारियों को पदोन्नत करने के आदेश जारी किए. फिर मंत्रालय संवर्ग में कर्मचारियों के प्रमोशन किए गए. अब ये सिलसिला दूसरे विभागों में भी शुरू हो गया है.

कक्षा 5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा का रिजल्ट घोषित

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 7 जुलाई. लंबे समय से पुन: परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे 5वीं और 8वीं के छात्रों का इंतजार स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार दोपहर रिजल्ट जारी कर दिया गया.

बता दें विभाग द्वारा जारी किया गये परीक्षा परिणामों में इस बार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. जिसमें जून महीने में आयोजित की पुन: परीक्षा में कक्षा 5वीं के 80.42 प्रतिशत बच्चों ने सफलता हासिल की है. वहीं कक्षा 8वीं के 74.16 प्रतिशत विद्यार्थी इस परीक्षा में सफल हुए हैं. जबकि बोर्ड की पहली और दूसरी परीक्षा को मिलाकर कक्षा 5वीं का कुल परिणाम 98.89 प्रतिशत दर्ज किया गया है, जबकि कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.19 प्रतिशत रहा है. कक्षा 5वीं की पुन: परीक्षा में सरकारी स्कूलों के 46 हजार 665 बच्चों में से 36,217 बच्चे पास हुए हैं. इसके साथ ही निजी स्कूलों के 24 हजार 302 छात्रों में से 20 हजार 971 और मदरसों के 581 बच्चों में से 352 बच्चों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है. वहीं 8वीं में सरकारी स्कूलों के 56 हजार 738 परीक्षार्थियों में से 40 हजार 315 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है. वहीं निजी स्कूलों के 19 हजार 113 बच्चों में से 15 हजार 978 और पंजीकृत मदरसों के 423 बच्चों में से 268 बच्चे परीक्षा में पास हुए है.

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3 .0 भोपाल में

13 को जीसीसी, डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर पर फोकस

सीएम एमपी का विजन करेंगे साझा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 7 जुलाई. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 13 जुलाई को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 : जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर एडिशन का आयोजन किया जाएगा.

इसका उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करना है.

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य सरकार के प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास के विजन को साझा करेंगे और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर निवेश, परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं भावी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 8 जुलाई को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लियुगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र का भूमि-पूजन करेंगेप्त चीन की अग्रणी बहुरीय निर्माण उपकरण निर्माता कंपनी गुआंग्शी लियुगोंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड की भारतीय इकाई द्वारा किया जा रहा यह विस्तार मप्र को निर्माण उपकरण विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा. पीथमपुर में स्थापित होने वाला नया संयंत्र लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा.

एक नजर में

सीवरेज की सफाई के दौरान 1 की मृत्यु

उज्जैन. शहर के पिपली नाका क्षेत्र में बारिश के कारण जलभराव के बीच सीवरेज लाइन की सफाई के दौरान तीन कर्मचारी चैंबर में गिर गए. जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण एक कर्मचारी की मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस सूत्रों के अनुसार क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनने पर सीवरेज लाइन की सफाई का कार्य किया जा रहा था. इसी दौरान एक कर्मचारी चैंबर में गिर गया. उसे बचाने के लिए दो अन्य कर्मचारी भी नीचे उतरे, लेकिन तीनों जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण चैंबर में ही फंस गए.

स्मार्ट मीटर के विरोध में युवा कांग्रेस का घेराव

विशेष संवाददाता

भोपाल, 7 जुलाई . अघोषित बिजली कटौती, मनमाने बिजली बिलों और कथित रूप से जबरन लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में मंगलवार को युवा कांग्रेस ने रातीबड़ स्थित बिजली कार्यालय का घेराव किया.

भोपाल ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष प्रिंस सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर नागरिकों और किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग की. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना किसी पूर्व सूचना के कई-कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, जिससे आमजन

और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ज्ञापन में अघोषित बिजली कटौती और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई.

युवा कांग्रेस ने पिछले तीन महीनों में जारी कथित रूप से बढ़े हुए बिजली बिलों का पुन: ऑडिट कराने तथा विवादित बिलों को 50 प्रतिशत तक कम करने की मांग भी उठाई. इसके साथ ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तत्काल रोकने और पहले से लगाए गए स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुराने मीटर पुन: स्थापित करने की मांग की गई. प्रिंस सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर विभाग लिखित आश्वासन देकर समस्याओं का समाधान शुरू नहीं करता, तो युवा कांग्रेस सड़क जाम, बिजली कार्यालयों का घेराव और व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगी.

स्मार्ट सिटी के 3 इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस

ग्वालियर, 7 जुलाई. कलेक्टर रुचिका चौहान ने सचिन तेंदुलकर मार्ग उन्नयन कार्य निर्माण की सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, उपयोग की जाने वाली समग्री का स्त्रोत अनुमोदन करने, कार्य का तकनीकी परीक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के साथ ही अनुबंधीय प्रावधानों के अनुरूप अनुपालन की निगरानी करने संबंधी दायित्वों का निर्वहन न करने पर स्मार्ट सिटी के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. कलेक्टर रुचिका चौहान ने स्मार्ट सिटी के तीनों इंजीनियरों को नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि सचिन तेंदुलकर मार्ग उन्नयन कार्य में लापरवाही पाए जाने पर क्यों न उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाए. तीनों अधिकारियों को पांच दिवस के अंदर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं. जवाब समाधानकारक न पाए जाने पर उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय कार्रवाई की जायेगी. कलेक्टर ने स्मार्ट सिटी के कार्यपालन यंत्री अंकित शर्मा, सहायक यंत्री अनिल चौहान एवं उप यंत्री अभिषेक त्रिपाठी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है. उन्होंने कारण बताओ सूचना पत्र में स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त मेन हॉल कवर का नियमानुसार स्त्रोत अनुमोदन कार्य प्रारंभ होने से पूर्व सुनिश्चित नहीं किया गया.

31 जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट

6 दिन की बारिश से सामान्य वर्षा के करीब पहुंचा प्रदेश

भोपाल, 7 जुलाई. मध्य प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और जुलाई की शुरुआत से हो रही लगातार बारिश ने प्रदेश में वर्षा की कमी लगभग पूरी कर दी है. मंगलवार को प्रदेश के कई हिस्सों में रूक -रूक बारिश लगातार हो रही है.

पिछले छह दिनों में हुई झमाझम बारिश के बाद राज्य में औसत वर्षा करीब 7 इंच दर्ज की गई है, जो सामान्य से केवल एक प्रतिशत कम है. मौसम विभाग ने मंगलवार को प्रदेश के 31 जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर और छतरपुर जिलों में अति भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, मैहर, दमोह, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, सीहोर, हरदा, आगर-मालवा, राजगढ़, झाबुआ, अलीराजपुर, धार और बड़वानी सहित कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है.

प्रदेश में सबसे अधिक असर भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में देखने को मिल रहा है. इन क्षेत्रों के अधिकांश जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है. देवास इस सीजन का सबसे अधिक बारिश वाला जिला बन गया है, जहां अब तक 15.3 इंच वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है. लगातार हो रही बारिश से नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ा है, जबकि कई स्थानों पर निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी हुई है.

बारिश के कारण प्रदेशभर में तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है. मलाजखंड सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. भोपाल, इंदौर, जबलपुर और उज्जैन सहित प्रमुख शहरों में भी अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है. जून में वर्षा सामान्य से कम रही थी, लेकिन जुलाई में मानसून की सक्रियता बढ़ने से बारिश का आंकड़ा तेजी से सामान्य स्तर के करीब पहुंच गया है.

कलेक्टर के निर्देश पर बलिया नाला में कोयला युक्त पानी के प्रवाह मामले में त्वरित कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 जुलाई। जिले के बलिया नाला में वर्षा के उपरांत पुन: कोयला युक्त पानी के प्रवाह की सूचना प्राप्त होने पर कलेक्टर गौरव बैनल ने मामले को तत्काल संज्ञान लेते हुए क्षेत्रीय अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सिंगरौली को तत्काल स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देशित किया।

कलेक्टर के निर्देशानुसार म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विस्तृत जांच एवं निरीक्षण किया गया। जांच में प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि दुद्धिचुआ कोयला खदान से निकलने वाले कोयला युक्त दूषित जल के प्रभावी नियंत्रण एवं उपचार की

व्यवस्था सुनिश्चित नहीं किए जाने के कारण बलिया नाला में प्रदूषित जल का प्रवाह हुआ। जांच में यह भी पाया गया कि पूर्व में जारी निर्देशों एवं स्वीकृत समयबद्ध कार्ययोजना के अनुरूप आवश्यक कार्य समय सीमा में पूर्ण नहीं किए गए तथा बोर्ड द्वारा निर्धारित सहमति की शर्तों का भी पूर्णत: पालन नहीं किया गया। जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर के निर्देशानुसार म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सक्षम प्राधिकारी को कठोर वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रस्ताव प्रेषित किया गया है।

250 एकड़ सरकारी जमीन पर फर्जी पट्टे का आरोप

ग्रामीणों ने कलेक्टर से कार्रवाई की मांग, पूर्व सरपंच सहित परिवार पर कब्जे

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 जुलाई। चितरंगी क्षेत्र के ग्राम कतरिहार के ग्रामीणों ने कलेक्टर को शिकायत सौंपकर पूर्व सरपंच रामनरेश गुर्जर और उनके परिजनों पर करीब 250 एकड़ से अधिक शासकीय भूमि का फर्जी पट्टा अपने परिवार के नाम कराने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों का कहना है कि वे कई पीढ़ियों से उक्त भूमि पर खेती-किसानी करते आ रहे हैं, लेकिन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भूमि पर कब्जे की कोशिश की जा रही है। शिकायत में कहा गया है कि मामले की जांच के बाद

एसडीएम स्तर से कथित फर्जी पट्टों को निरस्त किए जाने की कार्रवाई हुई थी, लेकिन राजस्व अभिलेखों में अब तक संबंधित लोगों के नाम दर्ज हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व सरपंच के भाई कमलेश गुर्जर, पुत्र अवधेश गुर्जर तथा अन्य परिजन उन्हें लगातार धमका रहे हैं। उनका कहना है कि तैयार फसल को जबरन काट लेने और विरोध करने वालों को जान से मारने की धमकी दी जा रही है, जिससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि थाना पुलिस और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कई बार शिकायत देने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई और न ही आरोपितों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हुई। शिकायत कर्ताओं ने कलेक्टर से मांग की है कि राजस्व रिकॉर्ड से कथित रूप से दर्ज नाम हटाए जाएं, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। साथ ही धमकी देने वाले लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है। प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिकायत की जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

शिक्षक इंद्रमुनि प्रसाद द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर हुआ सम्मान

30 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा ,सम्मान समारोह में उमड़ा स्नेह

नवभारत न्यूज

मनगवां 7 जुलाई, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनगवां के वरिष्ठ हिंदी शिक्षक इंद्रमुनि प्रसाद द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर उनके गृह ग्राम आंबी में गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, पूर्व विद्यार्थी, सहकर्मी, शुभचिंतक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। समारोह आत्मीयता और सम्मान के भाव से ओतप्रोत रहा। श्री द्विवेदी ने 1 जनवरी 1996 से 23 जून 2026 तक लगभग 30 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने हिंदी भाषा एवं साहित्य के अध्यापन के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सरल शिक्षण शैली, अनुशासनप्रियता, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीय

व्यवहार ने उन्हें एक आदर्श शिक्षक के रूप में स्थापित किया। उनके अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर समाज में अपनी पहचान बना रहे हैं, जिसका श्रेय वे अपने गुरुजनों से मिले संस्कारों और मार्गदर्शन को देते हैं। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि उसका ज्ञान, अनुभव और संस्कार समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री द्विवेदी भविष्य में भी शिक्षा, साहित्य और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर अतिथियों ने शाल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न एवं उपहार भेंट कर श्री द्विवेदी का सम्मान किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में शरद चंद्र तिवारी, राघव शरण तिवारी, जगजीवन लाल तिवारी, अनिकेश पांडे, आदित्य प्रसाद तिवारी, लखपति प्रसाद तिवारी, हरिश्चंद्र सिंह, टी.पी. चतुर्वेदी, नागेश पांडे, रामभजन गुप्ता, एम.बी. शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उनके ज्येष्ठ पुत्र शशांक द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्थापना शाखा की लापरवाही बेनकाब, कार्यभार के बाद भी नहीं मिली जिम्मेदारी

▶ प्राचार्य से तत्काल कार्रवाई की मांग

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 जुलाई। शासकीय राजनारायण स्मृति अ. स्नातको. महाविद्यालय बैढ़न की स्थापना शाखा की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

महाविद्यालय के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार राय ने 4 जुलाई को महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय राजनारायण स्मृति अ. स्नातको. महाविद्यालय बैढ़न को पत्र लिखकर स्थापना शाखा की कथित लापरवाही और नियमों की अनदेखी की शिकायत की है। पत्र में स्थापना शाखा के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है।

पत्र के अनुसार डॉ. श्री

राय ने उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 22 जून को महाविद्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया था, लेकिन स्थापना शाखा ने अब तक उन्हें महाविद्यालय के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप से नहीं जोड़ा है। उनका कहना है कि कार्यभार संभालने के बाद भी उन्हें संस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था से दूर रखा जा रहा है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि उच्च शिक्षा विभाग के स्थानांतरण आदेश के बावजूद महाविद्यालय की वेबसाइट और विभागीय रिकॉर्ड में पूर्व पदस्थ अधिकारी डॉ. एमयू सिद्दीकी का नाम अब भी प्रदर्शित हो रहा है। जबकि नियमानुसार स्थापना शाखा को तत्काल रिकॉर्ड अपडेट कर रिक्त पद दर्शाना और आवश्यक संशोधन करना चाहिए था। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। डॉ. श्री राय ने अपने पत्र में यह भी बताया कि 19 मई को जारी आदेश के अनुसार आहरण-वितरण संबंधी अधिकार प्राचार्य को प्राप्त हो चुके हैं, फिर भी स्थापना शाखा ने अभिलेखों में आवश्यक संशोधन नहीं किए। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने प्राचार्य से मामले की जांच कर स्थापना शाखा के जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने और सभी रिकॉर्ड तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

क्रीडा अधिकारी ने स्थापना शाखा पर लगाया आरोप

शासकीय राजनारायण स्मृति अ. स्नातको. महाविद्यालय बैढ़न (डिग्री कॉलेज) बैढ़न में स्थापना शाखा की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद गहरा गया है। महाविद्यालय के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार राय ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि स्थापना शाखा की लापरवाही के कारण 5 जुलाई को जारी अतिथि विद्वान आबंटन सूची में महाविद्यालय को कोई अतिथि विद्वान नहीं मिल सका। उनका आरोप है कि स्थानांतरित हो चुके डॉ. एमयू सिद्दीकी का पद समय पर रिक्त नहीं दर्शाया गया, जिससे यह स्थिति बनी। डॉ. श्री राय ने स्थापना शाखा प्रभारी नंदकिशोर प्रजापति पर आरोप लगाया है कि वे वर्ष 2005 से अनुकंपा नियुक्ति पर पदस्थ हैं और अतिथि विद्वानों व आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ प्रताड़नापूर्ण व्यवहार करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्राचार्य द्वारा स्वीकृत अवकाश को भी अनुपस्थित दर्ज कर दिया जाता है तथा प्राचार्य के समानांतर व्यवस्था संचालित करने का प्रयास किया जाता है।

मांग ▶ जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री को लिखा पत्र

किसानों के हित में तत्काल हस्तक्षेप करे सरकार

विशेष संवाददाता

भोपाल, 7 जुलाई . मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में ग्रीष्मकालीन मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर शत-प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखा है.

उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो लाखों उत्पादकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. जीतू पटवारी ने अपने पत्र में कहा कि मध्य प्रदेश देश का अग्रणी दलहन उत्पादक राज्य है. किसानों ने सरकार के उत्पादन बढ़ाने के

आह्वान पर भारी निवेश कर रिकॉर्ड स्तर पर मूंग का उत्पादन किया, लेकिन अब उन्हें एमएसपी पर अपनी उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि वास्तविक उत्पादन की तुलना में खरीदी का लक्ष्य काफी कम निर्धारित किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में किसानों को मजबूरन निजी व्यापारियों को समर्थन मूल्य से कम कीमत पर फसल बेचनी पड़ सकती है. उन्होंने हरदा सहित कई जिलों में किसानों के विरोध-प्रदर्शन का भी उल्लेख किया.

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने पंजीयन, स्लॉट आवंटन, खरीदी क्षमता, गुणवत्ता परीक्षण और भुगतान व्यवस्था में भी खामियों का आरोप लगाया. उन्होंने सभी पंजीकृत किसानों से शत-प्रतिशत एमएसपी पर खरीदी, खरीदी लक्ष्य और केंद्रों की संख्या बढ़ाने, पंजीयन एवं गुणवत्ता परीक्षण प्रक्रिया को सरल बनाने, समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा प्रभावित जिलों में वरिष्ठ अधिकारियों को भेजकर किसानों से संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान कराने की मांग की.

सिंघार ने जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरा

भोपाल. मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंगलवार को राज्य सरकार पर किसानों, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि प्रदेश के ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादक किसानों की पूरी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जानी चाहिए. उनका आरोप था कि सरकार द्वारा निर्धारित खरीदी लक्ष्य वास्तविक उत्पादन की तुलना में काफी कम है, जिससे किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है और इसका लाभ बिचौलियों को मिल रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती खेती लागत के मुकाबले एमएसपी में की गई वृद्धि अपर्याप्त है. सिंघार ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए इंदौर में केवल कागजों पर संचालित कथित 'भूतिया अस्पताल' का मामला उठाया.

पेज एक का शेष

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट...

स्थानों पर लगाया गया था. इसके अलावा सूरत से कई जिंदा बम भी बरामद किए गए थे, जो तकनीकी कारणों से विस्फोट नहीं कर सके थे. जांच एजेंसियों के अनुसार, हमलों में भीड़भाड़ वाले बाजारों, सार्वजनिक बसों और सिविल अस्पताल सहित कई स्थानों को निशाना बनाया गया था. जांच में यह भी सामने आया कि इन धमाकों की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन सिमी (स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया) से जुड़े आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) ने ली थी. जांच एजेंसियों ने अपनी जांच में दावा किया था कि वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के प्रतिशोध की मंशा से इस हमले की साजिश रची गई थी. इस मामले की सुनवाई विशेष अदालत में हुई थी. फरवरी 2022 में अदालत ने 77 आरोपियों में से 28 को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया था, जबकि 49 आरोपियों को दोषी ठहराया गया. इनमें 38 दोषियों को फांसी की सजा और 11 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. भारतीय न्यायिक इतिहास में एक साथ इतने अधिक दोषियों को मृत्युदंड सुनाए जाने का यह प्रमुख मामलों में से एक माना गया. अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले की जांच गुजरात पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने की थी. जांच दल में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने साक्ष्य जुटाकर आरोपपत्र प्रस्तुत किया था. हाईकोर्ट के ताजा फैसले के साथ विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई सजाएं फिलहाल यथावत बनी हुई हैं.

अश्लील हरकत के मामले में कार्रवाई

देवास. शहर स्थित मल्हार स्मृति पार्क में सार्वजनिक स्थान पर कथित अश्लील हरकत करने के वायरल वीडियो के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो संज्ञान में आने के बाद दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया.

नाम परिवर्तन सूचना

मै द्योषणा करती हूँ कि पूर्व मे मेरा नाम जो शैक्षणिक दस्तावेज में ANITA ASUDANI था। जिसे मै शादी के बाद बदल कर अब अपना नया नाम RITU ADWANI कर ली हूं कृपया अब से मुझे नये नाम RITU ADWANI W/O KAMAL KUMAR ADWANI के नाम से जाना एवं पहचाना एवं संबोधित किया जाय एवं आगे के सभी दस्तावेजों में दर्ज किया जाय तथा मेरे निवास का पता- MAKAN NO. 242, WARD NO. 19, NEAR TMD HALL, SINDHI CAMP, RAGHURAJNAGAR DISTT SATNA (M.P.) है।